AF-2009

B.A. Private (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

Paper - II

Sanskrit Literature

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई - I

1. अपनी पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए। आवश्यक टिप्पणियाँ भी दीजिए : 10×2

(क) अनर्थकायासान्तरित विषयोपभोगसुखमित्युपहसन्ति विद्वज्जनम्। जरावैक्लव्यप्रलपितमिति इति पश्यन्ती वृद्धजनोपदेशम्। आत्मप्रज्ञा परिभव इत्यसूयन्ति सचिवोपदेशाय। कुप्यन्ति हितवादिने॥

(ख) अस्मिन् महामोहान्धकारी च यौवने कुमार! तथा प्रयतेथाः यथा नोपहस्यसे जनैः, न निन्द्यसे साधुभिः, न धिक्रियसे गुरुभिः, नोपलभ्वसे सुहृद्भिः। न शोच्यसे विद्वद्भिः, नोन्यत्तीक्रियसे मदनेन, मा पिप्यसे विषयैः नावकृष्यसे रागेण, नापह्रीयसे सुखेन॥

(ग) सर्वथा लमभिनन्दन्ति, तमालपन्ति, तं पार्श्वे कुर्वन्ति, तं संवर्धयन्ति योऽहर्निशमनवरतमुपर-चिताञ्जलिरधिदैवतर्मिव विगतान्यकर्तव्यः, स्तौति, यो वा माहात्म्यमुद्भावयति॥

इकाई - II

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की संदर्भ सहित आवश्यक टिप्पणियाँ देते हुए व्याख्या कीजिए : 10×2

(क) प्रिय वाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात् तदेव वक्तव्यं वचने किं दरिद्रता॥

(ख) काचः काञ्चनसंसर्गाद् धत्ते मारकतीं द्युतिम्॥
तथा तत्संनिधानेन मूर्खो याति प्रवीणताम्॥

(ग) अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्।
उदार चरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

(घ) न दैवयिति सञ्चिन्त्य त्यजेदुद्योगमात्यनः।
अनुद्योगेन तैलानि तिलेभ्यो नाप्तुमर्हति॥

इकाई - III

3. (क) शुकनासोपदेश के आधार पर शुकनास द्वारा चन्द्रापीड को दिये गये उपदेशों का अपने शब्दों में उल्लेख कीजिए। 5

(ख) हितोपदेश मित्रलाभ के आधार पर जरद्गव बिडालकथा अथवा वृद्ध व्याध कथा का सारांश लिखिए। 5

इकाई - IV

4. संस्कृत कथा साहित्य की उत्पत्ति और उसके क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्वप्नवासवदत्तम्

(ख) उरुभंग

(ग) अभिज्ञान शाकुन्तलम्

(घ) उत्तररामचरितम्

(ङ) नागानन्दम्

(च) वेणीसंहारम्

इकाई - V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** कवियों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए : 10

(क) कालिदास

(ख) माघ

(ग) दण्डी

(घ) सुबन्धु

(ङ) भास

(च) बाणभट्ट